Size : 273 x 267 mm

ॲक्सियल ५ ई.सी.

पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी.

(चयनात्मक खरपतवारनाशक)

पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी. खरपतवार उगने के बाद इस्तेमाल होनेवाला एक चुनिंदा खरपतवारनाशक है जो गेहूँ की फसल में आनेवाले घास जाति के खरपतवारों जैसे गुल्ली डंडा या मँडूसी और जंगली जई के नियंत्रण के लिए सिफारिश किया गया है। इसमें ५.१% पिनोक्सॉडेन सक्रिय तत्व के रुप में मौजूद है और यह एक लिटर पदार्थ में ५० ग्रा.के बराबर होता है।

रासायनिक संरचना :	**मात्रा (भार/भार)**
पिनोक्सॉडेन स.त.	५.१०%
सेफनर : क्लोक्विनटोसेट मेक्साईल	१.२६%
इमलसिफायर तत्व:	
कॉस्टर आइल इथोक्सिलेट – ३०	५.०५%
डोडिसाईल बेनझीन सलफोनेट का कैलशियम लवण	२.०२%
थिकनर: पालीस्टाईरिन	०.५१%
सहायक : ट्रिस (२–इथाईल हेक्साईल) फॉस्फेट	३४.३०%
सालवेन्ट : (टेट्राहाईड्रो – फूरान – २– आईल) – मिथनोल	१८.२० %
सोल्वेस्सो २०० एनडी	पर्याप्त मात्रा
कुल	**१००.००%**

इस्तेमाल का तरीका और सिफारिश: नीचे दिये गये सिफारिशों के अनुसार पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी. का इस्तेमाल गेहूँ में बीज रोपण के बाद आने वाले घास जाति के खरपतवार जैसे गुल्ली डंडा या मँडूसी और जंगली जई के नियंत्रण करता है।

फसल	खरपतवार का सामान्य नाम	मात्रा प्रति हेक्टेयर			अंतिम छिड़काव और फसल की कटाई के बीच अंतराल (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्रा)	संरचना (मि. ली)	पानी की मात्रा (लीटर)	
गेहूँ	गुल्ली डंडा या मँडूसी जंगली जई	४० – ४५	८०० –९००	२२५– ३००	९०

इस्तेमाल के लिए सिफारिश : खरपतवारनाशक का इस्तेमाल बीज रोपण के ३०–३५ दिन के बाद, जब ज्यादातर खरपतवार उग आये हों या जब गुल्ली डंडा और जंगली जई ३–५ पत्ते की अवस्था में हो, तब इसे सिफारिश की गयी मात्रा में प्रयोग करें।

प्रयोग के लिए निर्देश: इस खरपतवारनाशक का प्रयोग फ्लैट फेन या डिफ्लेक्टर ०८ सफेद नोज़ल लगा हुए नैपसेक स्प्रेयर से छिड़काव करें। छिड़काव करते समय नोज़ल के जमीन से ऊँचाई ०.३५ मी. होनी चाहिये, जिससे अधिक कोण का छिड़काव बनता है और एक समान स्प्रे होता है। खरपतवारनाशक को सिफारिश के अनुसार पानी में मिलाकर अच्छी तरह से छिड़काव कीजिए।

भण्डारण:

१. खरपतवारनाशक के डिब्बों को अन्य सामग्री विशेषकर खाद्य पदार्थों के संग्रहण कक्ष या स्थान से दूर किया जाना चाहिए, अथवा कीटनाशक की मात्रा तथा स्वभाव पर निर्भर करते हुए, डिब्बों को अलग अलमारी में ताला–चाबी लगा कर रखें।

२. खरपतवारनाशक का संग्रहण कक्ष या स्थान रोशनीदार, मजबूत बनावट का, हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई चौडाई का होना चाहियें, जिससे बाष्प द्वारा प्रदूषण न हो।

खाली डिब्बों का निपटारा:

१. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए खाली डिब्बें, बचा हुआ घोल, मशीनों की धोवन और डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें।

२. खाली डिब्बों का पुन: प्रयोग रोकने के लिए, उन्हें बाहर न छोडें।

३. डिब्बों को तोड–मोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाढ़ देना चाहिए।

सावधानी: स्प्रे तैयार करने के लिए खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल मत कीजिए। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का प्रयोग करे। त्वचा, आँख और मुँह को खरपतवारनाशी के संपर्क से बचाये तथा श्वास द्वारा अंदर जाने से रोके। **सुरक्षात्मक कपड़े जैसे कि ऐप्रान, दस्तानों, नकाब और गम बूट आदी पहन कर ही इसका प्रयोग करे।** खरपतवारनाश का प्रयोग करते समय, खाना, पीना और धूम्रपान करना नहीं चाहिए। प्रति दिन प्रयोग के बाद, कीटनाशी से प्रभावित हिस्सों को अच्छी तरह धो ले और कपड़े बदल ले। दूषित कपड़ों को अच्छी तरह धो ले।

लगातार एक ही खरपतवारनाशक के इस्तेमाल होने से खरपतवारों के प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धी होने की संभावना है। इस वृद्धी को काबु में लाने के लिए कई अन्य खेती योग्य उपाय योजनाओंके इस्तेमाल की सिफारिश की जा सकती है। खास सिफारिशों के लिए हमारे प्रतिनिधी की सहायता लें।

विषक्तता के लक्षण: अब तक कोई भी विष की घटना नहीं हुई है। प्रयोगशाला के परीक्षणों में चूहों पर विष का कोई निश्चित लक्षण नहीं हैं, लेकिन शरीर में ढीलापन, बाल खड़े होना, झुककर बैठना, लार बहना और आँसू आना जैसे लक्षण दिखाई दिये।

प्राथमिक उपचार: प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से हवादार कमरे या खुली हवा में ले जाए और तापमान से बचाएँ। **त्वचा में लगने पर :** प्रदूषित कपड़ों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। **आँखों में चले जाने पर :** आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाइए। **निगल जाने पर :** पानी में मेडिसिनल चारकोल की काफी मात्रा घोलकर बार बार दें और तुरन्त डॉक्टर को बुलाइयें। **सूचना:** यदि मरीज बेहोश हो तो, मुंह से कुछ न दें। उल्टी कराने की कोशिश न करें।

विष प्रतिहार दवा: कोई खास विष प्रतिहार नही है, लक्षण के अनुसार चिकित्सा करें।

निर्माता : सिन्जेन्टा इंडिया लिमिटेड,
अमर पॅराडीग्म, एस नं. ११०/११/३, बानेर रोड, पुणे – ४११ ०४५.

फैक्टरी पता:
ग्राम निम्बुआ, तहसील डेरा बासी, जिला एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब–१४० २०१.

AXIAL 5 EC

PINOXADEN 5.1% EC

(Selective Herbicide)

Pinoxaden 5.1% EC is a selective post-emergence herbicide that is recommended for the control of important grass weeds like *Phalaris minor* and *Avena ludoviciana* in wheat. It contains 5.1% of the active ingredient pinoxaden which is equal to 50 g per Litre of the formulation.

Chemical Composition :	**Contents (w/w)**
Pinoxaden a.i	5.10%
Safener : cloquintocet mexyl	1.26%
Emulsifying agents:	
castor oil ethoxylate-30	5.05%
dodecyl benzene sulphonic acid, ca salt	2.02%
Thickener : Polystyrene	0.51%
Adjuvant: tris (2-ethylhexyl) phosphate	34.30%
Solvents:	
(tetrahydro-furan-2yl)-methanol	18.20%
Solvesso 200 ND	QS
Total	**100.00%**

Application & Recommendation for use: When used as per the recommendations given below, Pinoxaden 5.1% EC provides the post-emergence control of grasses particularly *Phalaris minor* and *Avena ludoviciana* in wheat.

Crop	Scientific name of the weed	Dosage per ha			Waiting period from last application to harvest (in days)
		a.i. (g)	Formulation (ml)	Dilution in water (L)	
Wheat	Canary grass, *Phalaris minor* Wild oat, *Avena ludoviciana*	40-45	800 - 900	225-300	90

Recommendations for use: Apply as post emergence spray at 30-35 days after wheat sowing or when *Phalaris minor* and *Avena ludoviciana* is of 3-5 leaf stage.

Mode of uptake: Pinoxaden is rapidly absorbed by weed foliage and translocated to the growing points of leaves and stems. Susceptible weed species generally stop growing within 48 hours of treatment, turn yellow within one to three weeks and are completely controlled within three to five weeks.

Method of application: The herbicide is recommended to be applied using a knapsack sprayer fitted with a flat fan or a deflector nozzle 08 White (DFN 08), maintaining a constant nozzle height of 0.35 m which results in a wide angle fan spray with a narrow rectangular spray pattern. Apply the herbicide with the recommended quantity of water to ensure thorough coverage of the weed foliage.

Re-cropping flexibility: This is quickly degraded in the soil and has little or no soil activity. There are no restrictions on succeeding crops.

Storage:

1. The packages containing the herbicides should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key.
2. The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapor.

Precautions: Do not use cooking utensils for preparing the spray solution. Use stick for stirring the spray solution. Avoid contact with skin, eyes and clothing. Avoid inhalation of fog and vapors. **Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Wear protective clothing, mask, goggles, and boots, while handling the product.** Do not eat, drink or smoke while applying the product. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Avoid contamination of air and water bodies with the herbicide. Also wash the contaminated clothes.

The repeated use of any herbicide or herbicide with the same mode of action could lead to selection of resistant weeds. Certain agronomic practices may reduce the likelihood that resistant weeds will arise. In fields where resistant weeds are suspected, integrate strategies that are available to manage such population. For specific recommendations, please contact our local representative.

Disposal of empty containers:

1. Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their reuse.
3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Symptoms of Poisoning: No case of human poisoning is on record. In laboratory studies, poisoning symptoms in rodents were non-specific: decreased activity, piloerection, hunched posture, salivation and lachrymation.

First Aid: Remove the affected person to a well-ventilated area or fresh air and protect him from undercooling. IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minutes. IN CASE OF INGESTION: Repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water. Get the attention of the medical doctor immediately. NOTE: Do not induce vomiting or never give anything by mouth to an unconscious person.

Antidote: No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Manufactured by : Syngenta India Ltd.,
Amar Paradigm, S. No. 110/ 11/ 3, Baner Road, Pune – 411 045.

Factory address :
Village Nimbua, Tehsil Dera bassi, District SAS Nagar (Mohali), Punjab-140 201.

Product names marked ® or ™, the **SYNGENTA** Logo and the Alliance Frame are Trademarks of a Syngenta Group Company.

Axial®

PINOXADEN 5.1% EC

(SELECTIVE HERBICIDE)

syngenta®

Manufactured by :
Syngenta India Limited,
Amar Paradigm, S. No. 110/ 11/ 3,
Baner Road, Pune – 411 045.

Factory address:
Village Nimbua, Tehsil Dera bassi,
District SAS Nagar (Mohali),
Punjab-140 201.

For any complaints, please contact our Customer Service Executive.
Syngenta India Limited,
Amar Paradigm, S.No. 110/11/3, Baner Road, Pune-411045, Maharashtra, India
Telephone No.: 020 30699533, Toll Free : 1800 2001 310
Email:customercare.india@syngenta.com

IN2081504

ਐਕਸੀਅਲ ੫ ਈਸੀ

ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ੫.੧% ਈਸੀ

(ਚੋਣਾਤਮਕ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ)

ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ੫.੧% ਈਸੀ ਇੱਕ ਚੁਨਿੰਦਾ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋਕਣਕ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਗੁੱਲੀ ਡੰਡੇ ਅਤੇ ਜੰਗਲੀ ਜਵੀਂ 'ਦੇ ਉੱਗਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀ ਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ ੫.੧ ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲ ਤੱਤ ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ ਜੋ ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ ਵਿੱਚ ੫੦ ਗ੍ਰਾ. ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਣ :	**ਤੱਤ (ਵ/ਵ)**
ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ਕਿ.ਤ.	੫.੧੦%
ਸੇਫ਼ਨਰ : ਕਲੋਕੁਇੰਟੋਸਟ ਮੇਕਸੀਲ	੧.੨੬%
ਇਮਲਸੀਫ਼ਾਈਂਗ ਏਜੰਟ :	
ਕੈਸਟਰ ਆਇਲ ਈਥੋਕਸੀਲੇਟ – ੩੦	੫.੦੫%
ਡੋਡੀਸੀਲ ਬੇਨਜ਼ੀਨ ਸਲਫ਼ੋਨਿਕ ਏਸਿਡ, ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਸਾਲਟ	੨.੦੨%
ਥਿਕਨਰ: ਪੋਲੀਸਟੇਰੀਨ	੦.੫੧%
ਐਡਜੂਵੈਂਟ :	
ਟ੍ਰਿਸ (੨ ਏਥੀਲਹੇਕਸੀਲ) ਫ਼ਾਸਫ਼ੇਟ	੩੪.੩੦%
ਘੋਲਕ :	
(ਟੇਟ੍ਰਾਹਾਈਡ੍ਰੋ–ਫ਼ੂਰਾਨ–੨ ਵਾਈਐਲ)–ਮੇਥਾਨੋਲ	੧੮.੨੦%
ਸੋਲਵੇਸੋ ੨੦੦ ਐਨਡੀ	ਕਿਊ. ਐਸ.
ਕੁੱਲ	**੧੦੦.੦੦%**

ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਬਾਰੇ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ : ਜਦ ਹੇਠਲੀਆਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ੫.੧% ਈਸੀ ਕਣਕ ਵਿੱਚ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਗੁੱਲੀ ਡੰਡੇ ਅਤੇ ਜੰਗਲੀ ਜਵੀਂ ਵਰਗੇ ਘਾਹਾਂ ਉੱਤੇ ਉੱਗਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਸਰਦਾਰ ਕਾਬੂ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਫ਼ਸਲ	ਨਦੀਨ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ ਪ੍ਰ. ਹੈ.			ਆਖ਼ਰੀ ਸਪ੍ਰੇ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ (ਦਿਨ)
		ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ (ਮਿਲੀ.)	ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ (ਲੀ.)	
ਕਣਕ	ਗੁੱਲੀ ਡੰਡਾ ਜੰਗਲੀ ਜਵੀ	੪੦–੪੫	੮੦੦–੯੦੦	੨੨੫–੩੦੦	੯੦

ਵਰਤਣ ਲਈ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ : ਕਣਕ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ੩੦–੩੫ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਜਾਂ ਜਦ ਗੁੱਲੀ ਡੰਡਾ ਅਤੇ ਜੰਗਲੀ ਜਵੀਂ ੩–੫ ਪੱਤੀਆਂ ਵਾਲਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਉੱਗਣ–ਉਪਰਾਂਤ ਸਪ੍ਰੇ ਵਜੋਂ ਛਿੜਕੋ।

ਪੌਦੇ ਦੁਆਰਾ ਸੋਖਵ ਦੀ ਵਿਧੀ : ਪੀਨੋਕਸਾਡੇਨ ਨੂੰ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀਆਂ ਪੱਤੀਆਂ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਸੋਖ ਲੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਪੱਤੀਆਂ ਅਤੇ ਤਣੇ ਦੇ ਵਧਦੇ ਨੁਕਤਿਆਂ ਤਕ ਫੈਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਗ੍ਰਹਿਣਸ਼ੀਲ ਨਦੀਨ ਜਾਤੀਆਂ ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਤੋਂ ੪੮ ਘੰਟਿਆਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਵਧਣੋ ਰੁਕ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇੱਕ ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪੀਲੀਆਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਪੰਜ ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਅੰਦਰ ਇਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਤਮ ਹੋ ਹਨ।

ਵਰਤਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ : ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਫ਼ਲੈਟ ਫ਼ੈਨ ਜਾਂ ਇੱਕ ਡੀਫ਼ਲੈਕਟਰ ਨੋਜ਼ਲ ੦੮ ਵ੍ਹਾਈਟ (ਡੀਐਫ਼ਐਨ ੦੮) ਲਗਾ ਕੇ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨਾਲ ਵਰਤੋ। ਨੋਜ਼ਲ ਦੀ ਉਚਾਈ ਲਗਾਤਾਰ ੦.੩੫ ਮੀਟਰ ਰੱਖੋ ਜਿਸ ਨਾਲ ਵੱਡੇ ਜ਼ਾਵੀਏ ਦਾ ਛਿੜਕਾਉ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਸੌੜਾ ਰਿਕਟੈਂਗੁਲਰ ਸਪ੍ਰੇ ਪੈਟਰਨ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸੁਝਾਈ ਗਈ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਵਰਤੋ ਤਾਂ ਕਿ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪੱਤੀਆਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਵਰ ਹੋ ਜਾਣ।

ਦੁਬਾਰਾ ਫ਼ਸਲ ਬੀਜਣ ਦਾ ਲਚੀਲਾਪਣ : ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਡੀਗ੍ਰੇਡ ਹੋਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲਤਾ ਨਾ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਾਅਦ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਕੋਈ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ।

ਸਟੋਰੇਜ (ਭੰਡਾਰਣ) :

੧. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਖਾਣ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਸਤਾਂ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਕਿਸੇ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਕਿਸੇ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਅੰਦਰ ਰੱਖੋ।

੨. ਦਵਾਈ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਇਹ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਸਥਾਨ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਸੁੱਕੇ, ਚੰਗੇ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਾਲੇ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਡੁਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਫੈਲ ਸਕੇ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ਸਪ੍ਰੇ ਦਾ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਖਾਣਾ ਪਕਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਰਤਨ ਨਾ ਵਰਤੋ। ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਹਿਲਾਉਣ ਲਈ ਕੋਈ ਸਰੀਆ ਜਾਂ ਡੰਡਾ ਵਰਤੋ। ਦਵਾਈ ਨੂੰ ਤਵਚਾ ਅੱਖਾਂ ਜਾਂ ਕਪੜਿਆਂ ਨਾਲ ਨਾ ਛੋਹਣ ਦਿਓ। ਸਪ੍ਰੇ ਦੀ ਫੁਹਾਰ ਜਾਂ ਹਵਾੜ ਵਿੱਚ ਸਾਹ ਲੈਣ ਤੋਂ ਬਚ ਕੇ ਰਹੋ। **ਤਵਚਾ ਨਾਲ ਛੋਹਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਰਬੜ ਕੇ ਦਸਤਾਨੇ ਪਾਓ। ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਕਪੜੇ ਪਹਿਨੋ ਜਿਵੇਂ ਮਾਸਕ, ਗਾਗਲਜ਼ ਅਤੇ ਬੂਟ।** ਵਰਤਣ ਦੌਰਾਨ ਕੁਝ ਨਾ ਖਾਓ ਪੀਓ, ਨਾ ਹੀ ਧੂਮਰਪਾਨ ਕਰੋ। ਛਿੜਕਾਅ ਦਾ ਕੰਮ ਖ਼ਤਮ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੱਥਾਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਲਓ ਅਤੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲ ਲਓ। ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨਾਲ ਹਵਾ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਪਲੀਤ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਦਵਾਈ ਨਾਲ ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਕਪੜੇ ਧੋ ਲਓ।

ਵਾਰ–ਵਾਰ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਜਾਂ ਉਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਕੁਝ ਨਦੀਨਾਂ ਵਿੱਚ ਦਵਾਈ ਲਈ ਪ੍ਰਤੀਰੋਧ ਪੈਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਐਗਰੋਨਾਮਿਕ ਅਭਿਆਸ ਵਰਤ ਕੇ ਸ਼ਾਇਦ ਪ੍ਰਤੀਰੋਧਕ ਨਦੀਨ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤੀਰੋਧਕ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਸ਼ਕ ਹੋਵੇ, ਉਥੇ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਵਰਤ ਕੇ ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਨੂੰ ਨਿਪਟਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਖ਼ਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਾਡੇ ਸਥਾਨਕ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧੀ ਨੂੰ ਮਿਲੋ।

ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ :

੧. ਖਾਲੀ ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਤੇ ਬਰਤਨਾਂ 'ਚੋਂ ਨਿਕਲੇ ਧੋਣ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰੋਕਿ ਪਾਣੀ ਜਾਂ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ।

੨. ਖਾਲੀ ਹੋ ਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਹੀ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਿਓ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ।

੩. ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰ ਤੋੜ ਭੰਨ ਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜਮੀਨ ਹੇਠਾਂ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇਪਣ ਦੀਆਂ ਇਲਾਮਤਾਂ : ਇਨਸਾਨੀ ਵਿਸ਼ੈਲੇਪਣ ਦਾ ਕੋਈ ਮਾਮਲਾ ਰਿਕਾਰਡ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੈਬਾਰੇਟਰੀ ਅਧਿਐਨਾਂ ਵਿੱਚ ਚੂਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੀਆਂ ਇਲਾਮਤਾਂ ਗੈਰ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਸਨ। ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲਤਾ ਵਿੱਚ ਕਮੀ, ਪਾਈਨੋਈਰੈਕਸ਼ਨ ਕੁੱਬ ਪੈਣਾ, ਲਾਰ ਟਪਕਣੀ ਅਤੇ ਅੱਥਰੂ ਵਗਣੇ।

ਫ਼ਸਟ ਏਡ:

ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਚੰਗੇ ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਾਲੇ ਥਾਂ 'ਤੇ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਉਹਨੂੰ ਅਧਿਕ ਠੰਢ ਲੱਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਕੇ ਰੱਖੋ। **ਤਵਚਾ ਨਾਲ ਲੱਗਣ 'ਤੇ:** ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਦਿਓ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ। **ਅੱਖਾਂ 'ਤੇ ਅਸਰ ਹੋਣ 'ਤੇ :** ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕਈ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਧੋਂਦੇ ਰਹੋ। **ਨਿਗਲੇ ਜਾਣ 'ਤੇ:** ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਡਾਕਟਰੀ ਕੋਲਾ ਬਾਰੰਬਾਰ ਪਿਲਾਉਂਦੇ ਰਹੋ। ਫ਼ੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਲਓ। **ਨੋਟ:** ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਕਦੇ ਵੀ ਨਾ ਉਕਸਾਓ ਜਾਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਪੀਣ ਖਾਣ ਲਈ ਨਾ ਦਿਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ: ਕੋਈ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਨਿਰਮਾਤਾ : ਸਿੰਜੇਂਟਾ ਇੰਡੀਆ ਲਿਮਿਟੇਡ,

ਅਮਰਪਰਾਡੀਗਮ, ਐਸ.ਨੰ. ੧੧੦/੧੧/੩, ਬਾਨੇਰ ਰੋਡ, ਪੁਣੇ–੪੧੧੦੪੫.

ਫ਼ੈਕਟਰੀ ਪਤਾ :

ਪਿੰਡ ਨਿੰਬੁਆ, ਤਹਸੀਲ ਡੇਰਾ ਬਾਸੀ, ਜ਼ਿਲਾ ਐਸਏਐਸ ਨਗਰ (ਮੋਹਾਲੀ), ਪੰਜਾਬ–੧੪੦ ੨੦੧.

एक्सियल 5 ईसी

पिनॉक्सेडेन 5.1% ईसी

(निवडक तणनाशक)

पिनॉक्सेडेन 5.1% ईसी हे एक विशेष निवडलेले प्रादुर्भाव झाल्यानंतरचे तणनाशक असून ते फालारिस मायनर आणि आव्हेना ह्यांसारख्या महत्त्वाच्या गवती तणांच्या नियंत्रणासाठी विशेषतः गव्हाकरता सूचवले जाते. त्यामध्ये 5.1% सक्रिय घटक पिनॉक्सेडेन असून ते फॉर्म्युलेशनच्या (प्रमाणाच्या) एकूण 50 ग्रॅम प्रती लीटर इतके असते.

रासायनिक संघटना	**घटक (व/व)**
पिनॉक्सेडेन स. घ.	5.10%
सेफनरः क्लोकिन्टोसेट मिक्सिल	1.26%
इमल्सिफाइंग एजेन्ट :	
कॅस्टर तेल इथोक्सिलेट– 30	5.05%
डॉडेसिल बेंझिन सल्फॉनिक एसिड, सीए सॉल्ट	2.02%
थिकनरः पॉलीस्टीरीन	0.51%
एडजवंटः ट्रिस (2– इथीलिक्सिल) फॉस्फेट	34.30%
द्रावकः	
(टेट्राहायड्रो फ्युरॅन– 2 वायएल)– मिथेनॉल	18.20%
सॉल्व्हेसो 200 एनडी	क्युएस
एकूण	**100%**

वापरण्याची पद्धती आणि निर्देशः खाली दिलेल्या निर्देशांप्रमाणे वापरताना, पिनॉक्सेडेन 5.1ः ईसी विशेषतः गव्हावरील फालारिस मायनर आणि एव्हेना लुडोव्हिसियाना ह्या तणांच्या प्रादुर्भावानंतरचे नियंत्रण करते.

पीक	तणाचे वैज्ञानिक नाव	प्रति हेक्टर मात्रा			शेवटच्या वापरापासून कापणीपर्यंतचा वाट पाहण्याचा कालावधी (दिवस)
		ए. आय. (ग्रॅ)	मिश्रणानुसार मात्रा (मिली)	पाण्यातील द्रावण (ली)	
गहू	कॅनारी ग्रास, फालारिस मायनर वाईल्ड ओट, एव्हेना लुडोव्हिसियाना	40–45	800–900	225–300	90

वापरासाठी निर्देशः प्रादुर्भावानंतरचा फवारा म्हणून गहू पेरल्यानंतर 30– 35 दिवसांनी किंवा फालारिस मायनर आणि एव्हेना लुडोव्हिसियाना हे 3–5 दिवसाच्या पानाच्या वाढीच्या टप्प्यावर असताना फवारा.

घेतले जाण्याचा प्रकारः पिनॉक्सेडेन हे तणाच्या पालवीद्वारे तत्काळ शोषून घेतले जाऊन पाने आणि खोडाच्या वाढणा–या बिंदुपर्यंत नेले जाते. उपचार केल्यानंतर ह्याच्या विरुद्ध कमकुवत असलेल्या तणाच्या प्रजाती 48 तासांच्या आत वाढणे थांबवते, एक ते तीन आठवड्यांमध्ये पिवळ्या होतात आणि तीन ते पाच आठवड्यांमध्ये संपूर्णतः नियंत्रित होतात.

लावण्याची पद्धतीः सपाट फॅन किंवा डिफ्लेक्टर नोझल 08 व्हाईट (डीएफएन 08) वापरून व 0.35 मीटर इतकी स्थिर नोझल उंची ठेवून नॅपसॅक स्प्रेयरच्या सहाय्याने हे तणनाशक फवारले जाते आणि ह्यामुळे अरुंद आयताकार फवा–याच्या आकारामध्ये मोठ्या कोनातून फॅन स्प्रे मिळतो. तणांच्या पालवीवर योग्य प्रकारे पसरावे म्हणून पाण्याच्या निर्देशित योग्य प्रमाणासह हे तणनाशक वापरा.

पुनर्पीक लवचिकताः हे तत्काळ जमिनीमध्ये विलय पावते आणि त्याची जमिनीमध्ये नगण्य प्रतिक्रिया होते किंवा होतही नाही. पुढील पिकांच्या वापरासाठी काहीही निर्बंध नाहीत.

साठवण :

1. तणनाशक असलेले पॅकेट मूळ कंटेनर्समध्ये वेगळ्या खोल्या किंवा परिसरामध्ये आणि अन्य वस्तु (विशेषतः खाद्य पदार्थ) ठेवण्याच्या जागेपासून व खोलीपासून वेगळे आणि शक्यतो कुलुप व किल्ली असलेल्या दुस–या कपाटामध्ये ठेवले गेले पाहिजे.
2. तणनाशक ठेवण्यासाठी वापरण्यात येणारी खोली किंवा जागा योग्य बांधलेली, कोरडी, पुरेशी प्रकाशित आणि हवा असलेली असावी आणि ती पुरेशी मोठी असावी, जेणेकरून वाफेचा संसर्ग त्यास होणार नाही.

सावधानता : स्प्रे द्रावण बनवण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नये. स्प्रे द्रावण हलवण्यासाठी काठी वापरा. त्वचा, डोळे आणि कपड्यांसोबत संपर्क येऊ देऊ नका. धुके आणि वाफा ह्यांना श्वासावाटे घेणे टाळा. **त्वचेसोबत संपर्क येऊ नये म्हणून हातमोजे वापरा. संरक्षक कपडे, मास्क, गॉगल्स आणि बूट वापरून उत्पादन हाताळा.** उत्पादन वापरत असताना खाऊ, पिऊ किंवा धुम्रपान करू नका. काम झाल्यास साबण आणि पुरेशा पाण्याने हात धुवा आणि कपडे बदला. तणनाशक हवेच्या आणि जलाशयाच्या संपर्कात येऊ देऊ नका. दूषित झालेले कपडेसुद्धा धुवा.

वारंवार किंवा एकाच प्रकारे कोणतेही तणनाशक सारखे वापरल्यामुळे तण त्यापासून रोधक बनू शकतात. काही कृषीशास्त्रीय पद्धतींमुळे तण रोधक बनण्याची शक्यता कमी होऊ शकते. ज्या शेतांमध्ये रोधक तण असल्याचा संशय असेल, तिथे अशा प्रादुर्भावाच्या व्यवस्थापनासाठीचे उपाय एकत्रित वापरा. विशिष्ट निर्देशांसाठी, कृपया आमच्या स्थानिक प्रतिनिधीशी संपर्क करा.

रिकाम्या कंटेनर्सची विल्हेवाटः

1. यंत्रे आणि कंटेनर्समधील पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त साहित्य व धुतलेले साहित्य ह्याची पर्यावरण आणि जल प्रदूषण होऊ नये, म्हणून सुरक्षित प्रकारे विल्हेवाट लावली गेली पाहिजे.
2. पुनः वापर होऊ नये म्हणून वापरलेले पॅकेजेस बाहेर टाकू नयेत.
3. पॅकेजेस तोडून वस्तीपासून दूर पुरले गेले पाहिजेत.

विषबाधेची लक्षणे : आजवर मानवी विषबाधा नोंदवण्यात आलेली नाही. प्रयोगशाळेतील अभ्यासांमध्ये, कृतक (रॉडंट) मधील विषबाधेची लक्षणे ठराविक नव्हतीः अशक्तपणा, केस ताठ होणे. झोक किंवा बाक येणे, लाळ गळणे आणि अश्रु येणे.

प्राथमिक उपचार : प्रभावित झालेल्या व्यक्तीला मोकळ्या हवेसाठी पुरेशी हवा असलेल्या जागी हलवा आणि त्याला थंडीपासून संरक्षण द्या. त्वचेशी संपर्क आला असल्यासः दूषित कपडे काढा आणि साबण आणि पाण्याने शरीराचे दूषित झालेले भाग संपूर्ण स्वच्छ धुवा. डोळ्याशी संपर्क आला असल्यासः स्वच्छ पाण्याने कित्येक मिनिटे डोळे स्वच्छ धुवा. पोटावाटे आत गेले असल्यासः पाण्याच्या मोठ्या प्रमाणासह वैद्यकीय चारकोलने वारंवार उपाय करा. तत्काळ डॉक्टरांचे वैद्यकीय सहाय्य बोलावून घ्या. सूचनाःबेशुद्ध असलेल्या व्यक्तीला तोंडावाटे कधीही काहीही देऊ नका किंवा जोर लावून उलटी करायला लावू नका.

विषावरील उताराः कोणताही विशिष्ट उतारा ज्ञात नाही. लक्षणांप्रमाणे उपचार करा.

उत्पादकः सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड,

अमर पॅराडीग्म, सर्व्हे. न. 110 / 11 / 3, बाणेर रोड, पुणे– 411045.

फॅक्टरीचा पत्ताः

गाव निम्बुआ, तालुका डेरा बासी, जिल्हा एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब – 140 201.

એક્સિઅલ ૫ ઈ.સી.

પિનોક્સાડેન ૫.૧% ઈ.સી.

(ચુનિંદુ નિંદામણનાશક)

પિનોક્સાડેન ૫.૧% ઈ.સી. ચુનિંદુ ઉદ્ભવ પછી વપરાશ માટેનું નિંદામણનાશક છે જેની ભલામણ ઘઉંમાં થતા મહત્વના ઘાસ નિંદામણો જેવાં કે ફેલારિસ માયનર અને એવેના સ્પ. ના નિયંત્રણ માટે કરવામાં આવે છે. તે ૫.૧% સક્રિય ઘટક પિનોક્સાડેન ધરાવે છે જે પ્રતિ લીટર ૫૦ ગ્રામ સંયોજન બરાબર છે.

રાસાયણિક સંરચના :	**માત્રા (વ/વ)**
પિનોક્સાડેન સ.ઘ.	૫.૧૦%
સેફનરઃ ક્લોક્વિન્ટોસેટ મેક્સિલ	૧.૨૬%
ઈમલ્સિફાઈંગ એજંટ્સઃ	
કેસ્ટર ઑઈલ ઈથોક્સિલેટ-૩૦	૫.૦૫%
ડોડેસીલ બેન્ઝિન સલ્ફોનિક ઍસિડ, કૅલ્શિયમ સોલ્ટ	૨.૦૨%
થિકનરઃ પૉલિસ્ટાઈરીન	૦.૫૧%
સહાયકઃ ટ્રિસ (૨ એથિલહેક્સિલ) ફોસ્ફેટ	૩૪.૩૦%
સોલ્વંટ્સ : (ટેટ્રાહાઈડ્રો-ફ્યુરાન-૨વાઈએલ)-મેથાનોલ	૧૮.૨૦ %
સોલ્વેસો ૨૦૦ એનડી	જ.મા.
કુલ	**૧૦૦.૦૦%**

વપરાશ અને ઉપયોગ માટેની ભલામણઃ નીચ આપેલી ભલામણો અનુસાર ઉપયોગ કરવામાં આવે ત્યારે પિનોક્સાડેન ૫.૧% ઈસી ઘાસ ખાસ કરીને ઘઉંમાં થતા ફેલારિસ માયનર અને એવીના લુડોવિસિયાનાનું ઉદ્ભવ પછીનું નિયંત્રણ પૂરું પાડે છે.

પાક	નિંદામણનું વૈજ્ઞાનિક નામ	માત્રા પ્રતિ હૅક્ટર			છેલ્લા છંટકાવથી લાગણી વચ્ચેનો પ્રતિક્ષા ગાળો (દિવસોમાં)
		સ. ઘ. (ગ્રા)	સંયોજન (મિલી.)	પાણીમાં દ્રાવ્ય (લીટર)	
ઘઉં	કેનેરી ગ્રાસ, ફેલારિસ માયનર, વાઈલ્ડ ઓટ, એવીના લુડોવિસિયાના	૪૦ - ૪૫	૮૦૦ -૯૦૦	૨૨૫- ૩૦૦	૯૦

ઉપયોગ માટેની ભલામણોઃ ઘઉંનું વાવેતર કર્યા પછી ૩૦-૩૫ દિવસે અથવા ફેલારિસ માયનર અને એવીના લુડોવિસિયાના ૩-૫ પાન ધરાવતા થાય ત્યારે ઉદ્ભવ પછીના છંટકાવ તરીકે ઉપયોગ કરો.

ગ્રહણ કરવાની રીતઃ પિનોક્સાડેન નિંદામણના પાંદડાં દ્વારા ઝડપથી શોષી લેવામાં આવે છે અને પાંદડાં તેમ જ થડના વધતા ભાગમાં સંગ્રહિત થાય છે. સંવેદનશીલ નિંદામણની જાતો સામાન્ય રીતે સારવારના ૪૮ કલાકની અંદર જ વધવાનું બંધ કરી દે છે, એક થી ત્રણ અઠવાડિયાની અંદર પીળા પડી જાય છે અને ત્રણ થી પાંચ અઠવાડિયાંની અંદર સંપૂર્ણ નિયંત્રણમાં આવે છે.

વાપરવાની રીતઃ નિંદામણનાશકની ભલામણ ફ્લૅટ ફૅન નૉઝલ અથવા ડીફ્લેક્ટર નૉઝલ ૦૮ વ્હાઈટ (ડીએફએન ૦૮) લગાડેલા નૅપસેક સ્પ્રેયર દ્વારા નૉઝલને સતત ૦.૩૫ મી. ઉંચાઈએ રાખીને કરવાની ભલામણ કરાય છે, આમ કરવાથી સાંકડી સમચોરસ છંટકાવ પદ્ધતિ સાતે વ્યાપક વિસ્તારમાં ફૅન સ્પ્રે જેવી અસર પ્રાપ્ત થાય છે. નિંદામણના પાંદડાં પર સંપૂર્ણ રીતે લાગે એ માટે પાણીની ભલામણ કરાયેલી માત્રામાં નિંદામણનાકનો ઉપયોગ કરો.

રી-ક્રોપિંગ સુવિધાઃ આ માટીમાં ઝડપથી ડીગ્રેડ થાય છે અને માટીમાં થોડી અથવા નહીવત્ પ્રવૃત્તિ ધરાવે છે. અનુગામી પાકો પર કોઈ જ નિયંત્રણો નથી.

સંગ્રહઃ

૧. નિંદામણનાશક ધરાવતા પાત્રોને તેના મૂળ પાત્રમાં જ અલગ ઓરડી અથવા જગ્યામાં અન્ય પદાર્થો ખાસ કરીને ખાદ્ય પદાર્થોથી દૂર અલગ ઓરડી કે જગ્યામાં સંગ્રહ કરવા જોઈએ અથવા અલગ કબાટમાં તાળું ચાવી મારીને રાખવા જોઈએ.

૨. નિંદામણનાશકના સંગ્રહ માટેની ઓરડી કે જગ્યા યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, સૂકી, પૂરતા હવાઉજાસ વાળી અને વિસ્તાર ધરાવતી હોવી જોઈએ જેથી વરાળનું પ્રદૂષણ થતા ટાળી શકાય.

સાવચેતીઓઃ છંટકાવ માટેનું દ્રાવણ તૈયાર કરવા રસોઈના વાસણોનો ઉપયોગ કરશો નહીં. છંટકાવ દ્રાવણને હલાવવા લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ત્વચા, આંખો અને કપડાં સાથે સંપર્ક થતા ટાળો. છાંટ અને વરાળને શ્વાસમાં ન આવવા દો. **ત્વચા સાથે સંપર્ક થતો ટાળવા હાથમાં મોજા પહેરો. ઉત્પાદન વાપરતી વખતે સંરક્ષાત્મક કપડાં, મુખવટો, ગોગલ્સ અને બૂટ પહેરો.** ઉત્પાદન વાપરતી વખતે ખાશો, પીશો, ચાવશો કે પછી ધૂમ્રપાન કરશો નહીં. કામ પૂરું થયા પછી હાથને સાબુ અને પુષ્કળ પાણીથી ધોઈ નાખો અને કપડાં બદલી નાખો. નિંદામણનાશકને લીધે પાણી અને હવાના અન્ય સ્રોતો પ્રદૂષિત થતા ટાળો. દૂષિત કપડાં ધોઈ નાખો.

કોઈપણ નિંદામણનાશક અથવા સમાન કાર્યપદ્ધતિ ધરાવતા નિંદામણનાકનો વારંવારનો ઉપયોગ પ્રતિકારક નિંદામણની પસંદગીમાં પરિણમી શકે છે. અમુક કૃષિ પદ્ધતિઓ પ્રતિકારક નિંદામણો ઉદ્ભવે તેની સંભાવના ઓછી કરી શકે છે. ખેતરોમાં જ્યાં પ્રતિકારક નિંદામણોની આશંકા હોય ત્યાં આવી વસતિના નિયમન માટે ઉપલબ્ધ નીતિઓ અપનાવો. વિશિષ્ટ ભલામણો માટે કૃપા કરી અમારા સ્થાનિય પ્રતિનિધિનો સંપર્ક કરો.

ખાલી પાત્રોનો નિકાલઃ

૧. પૅકેજીસ અને વધારાની સામગ્રીનો નિકાલ તેમજ મશીન અને પાત્રોની સફાઈ એ રીતે કરવી જોઈએ જેથી પર્યાવરણ અને જળ પ્રદૂષણ થતા ટાળી શકાય.

૨. ખાલી પાત્રોનો ફરી ઉપયોગ થતો ટાળવા તેને બહાર રખડતા ન રાખો.

૩. ખાલી પાત્રોને તોડી વસતિ ધરાવતા પ્રદેશથી દૂર જમીનમાં દાંટી દેવા જોઈએ.

ઝેર ચઢ્યાંના લક્ષણોઃ માનવમાં ઝેરી અસર થયાના કોઈ કિસ્સા નોંધાયા નથી. લૅબોરેટરી અધ્યયનોમાં ઉંદરોમાં જોવા મળેલા ઝેર ચઢ્યાના લક્ષણો અવિશિષ્ટ હતાઃ પ્રવૃત્તિ ઘટી જવી. પાઈલોઈરૅક્શન, ખૂંધ નીકળેલી શારીરિક સ્થિતિ, મોં માંથી લાળ ઝરવી અને આંખ માંથી પાણી આવવું.

પ્રાથમિક સારવારઃ અસરગ્રસ્ત વ્યક્તિને સારી હવાની અવરજવર ધરાવતી જગ્યામાં અથવા શુદ્ધ તાજી હવામાં લઈ જાઓ અને તેને ઠંડો પડી જતા ટાળો. ત્વચા સાથે સંપર્ક થવા પરઃ દૂષિત કપડાં કાઢી નાખો અને શરીરના અસરગ્રસ્ત ભાગોને સાબુ અને પુષ્કળ પાણીથી બરાબર ધોઈ નાખો. આંખના સંપર્કમાં આવવા પરઃ આંખોને અનેક મિનિટ સુધી સ્વચ્છ પાણીની છાલક મારીને સાફ કરો. ગળી જવા પરઃ પુષ્કળ માત્રામાં પાણી લઈ ઔષધીય ચારકોલ વારંવાર આપતા રહો. તરત જ તબીબી ડૉક્ટરનું ધ્યાન દોરો. નોંધઃ ઉલટી કરવાનો પ્રયત્ન કરશો નહીં અથવા બેભાન વ્યક્તિને ક્યારેય મોં વાટે કાંઈ આપશો નહીં.

વિષનાશકઃ કોઈ વિશિષ્ટ વિષનાશક જાણમાં નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર આપો.

ઉત્પાદક : સિન્જેન્ટા ઈન્ડિયા લિ.,

અમર પેરાડિગ્મ, એસ.નં.૧૧૦/૧૧/૩, બાનેર રોડ, પૂણે-૪૧૧૦૪૫

ફૅક્ટરીનું સરનામું :

ગામ નિંબુઆ, તાલુકા ડેરા બાસી, જિલ્લો એસએએસ નગર (મોહાલી), પંજાબ-૧૪૦ ૨૦૧